

B.A. Semester - 2 (CBCS) Examination
June/July-2022 [NEW COURSE]
COMPULSORY HINDI : YASODHARA (FND)

Time: 2:30 Hours

Marks: 70

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

- प्रश्न १ मैथिलीशरण गुप्त की जीवन रेखाओं को स्पष्ट करते साहित्य साधना पर प्रकाश डालिए। (१४)
 अथवा
- प्रश्न १ खण्डकाव्य की परिभाषा देते हुए हिन्दी खण्डकाव्य के उद्भव और विकास की चर्चा कीजिए।
 प्रश्न २ 'यशोधरा' काव्य में चित्रित यशोधरा के विविध रूपों का परिचय दीजिए। (१४)
 अथवा
- प्रश्न २ 'यशोधरा' काव्य के प्रेरणास्रोत पर प्रकाश डालते हुए कवि द्वारा किये गये परिवर्तनों की चर्चा कीजिए।
- प्रश्न ३ 'यशोधरा' काव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में बताते हुए उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। (१४)
 अथवा
- प्रश्न ३ 'यशोधरा' के काव्य शिल्प पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
 प्रश्न ४ किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए: (१४)
 (१) गुप्तजी की नारीभावना।
 (२) यशोधरा काव्य का राहुल।
 (३) यशोधरा शीर्षक की सार्थकता।
 (४) यशोधरा में आधुनिक युगबोध।
- प्रश्न ५ (अ) किसी एक विषय पर निबंध लिखिए: (०७)
 (१) मेरी कल्पना का भारत।
 (२) मेरा प्रिय साहित्यकार।
 (३) भ्रष्टाचार की समस्या।
 (४) राष्ट्रीय एकता।
- प्रश्न ५ (ब) गुजराती में अनुवाद कीजिए: (०७)
 दर्शन और विज्ञान समय की गति के अनुसार बदलते रहते हैं पर साहित्य तो हृदय की वस्तु है। मानव – हृदय में तब्दीलियाँ नहीं होती। साहित्य ही सच्चा इतिहास है, क्योंकि इसमें अपने देश और काल का जैसा चित्र होता है, वैसा कोई इतिहास में नहीं हो सकता। घटनाओं की तालिका इतिहास नहीं है और न राजाओं की लड़ाइयाँ ही इतिहास है। इतिहास जीवन के विभिन्न अंगों की प्रगति का नाम है। जीवन पर साहित्य से अधिक प्रकाश और कौन वस्तु डाल सकती है, क्योंकि साहित्य अपने देश-काल का प्रतिबिम्ब होता है।
 अथवा
- प्रश्न ५ (ब) हिन्दी में अनुवाद कीजिए:
 કાવ્ય એ જીવન ઉપવનનું પુષ્પ છે અને જીવન એ કાવ્યકુસુમની સુગંધનો પ્રસાર છે. જીવનની સરસ સાધનાનું અંતિમ વિકસિત રૂપ કાવ્ય છે અને કાવ્યના મહાન ઉદ્દેશ્યનું પરિષ્કૃત રૂપ જીવન છે. કાવ્યમાં આપણે જીવનની ઝંખનાને સ્વપ્નોના રૂપમાં સજાવીએ છીએ અને જીવનમાં કલ્પના સત્યની વાસ્તવિક ભૂમિકા પર ઊતરી આવે છે. કાવ્ય જીવન પાસેથી જીવન મેળવે છે અને જીવન તો જીવનનું કાવ્ય જ છે.